.....क्योंकि हम हैं हिंदुस्तान

हमारे जीवन के लिए जल संचय जितना आवश्यक है उतनी ही महत्वपूर्ण है जल की शुद्धता। बचपन से ही हम अपने बड़ों से ये बात कहानियों में सुनते आ रहे हैं कि तालाबों और पोखरों की शुद्धता का पैमाना लोग उसमें रहने वाली मछलियों की सेहत से लगाते थे। जिस तालाब में मछलियां मरने लगती थीं उसके पानी का लोग तब तक इस्तेमाल बंद कर देते थे जब तक उसकी वजह का पता नहीं लग जाता था। अगर पानी में कहीं से गंदगी आकर मिल रही है जो पानी को अशुद्ध करती है तो उसके निदान के बाद ही पानी उपयोग के लायक बनता था। पानी की शुद्धता मापने का यह पैमाना इतना सटीक था कि यह हमारी पारंपरिक विरासत का हिस्सा बन गया।

हम भी इसी हिंदुस्तान का हिस्सा हैं। इसलिए अपने बॉटलिंग प्लांट पर स्थापित वाटर ट्रीटमेंट सुविधाओं से निकलने वाले पानी की शुद्धता मापने के लिए हमने हिंदुस्तान की इसी पारंपरिक विरासत का सहारा लिया। जी हां, हम अपने सभी प्लांट पर निकलने वाले गंदे पानी को शुद्ध करने का काम करते हैं ताकि जल संचयन की क्षमता बरकरार रहे। इस्तेमाल के लिए यह पानी कितना शुद्ध है इसे मापने के लिए हमने प्रत्येक बॉटलिंग प्लांट पर मछली पालते हैं। इन मछलियों को वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से निकले साफ पानी में रखा जाता है। इन मछलियों का स्वास्थ्य ही यह तय करता है कि यह पानी इस्तेमाल के लायक है अथवा नहीं।

यह केवल पानी की स्वच्छता का सवाल नहीं है। यह हिंदुस्तान के लोगों के प्रति हमारी जवाबदेही भी है कि जितना स्वच्छ और शुद्ध पानी हम अपने प्रोडक्ट में इस्तेमाल करते हैं उतनी ही शुद्धता हम पानी में लौटाएं भी। और यह सुनिश्चित करने के लिए हिंदुस्तान की विरासत ही हमें आधार देती है क्योंकि हम भी हिंदुस्तान हैं।